भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

अवध प्रान्त

की

अवध विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक–अष्टदश पुष्प, मई व जून 2023

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

विशेष सहयोग
जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख

सहसम्पादक

श्रीमती शिप्रा बाजपेई
प्रधानाचार्य
स.ध.स.वि.बा.इ.का. लखीमपुर खीरी

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर रायबरेली

सम्पादक की कलम से –

सुंदरलाल बहुगुणा जी तो आप सबको याद है ना, जी हां या वही सुंदरलाल बहुगुणा जी है जो चिपको आंदोलन से मशहूर हुए थे और 74 दिनों तक उपवास कर पेड़ों की सुरक्षा की थी। प्रारंभ में तो पेड़ों से चिपक ही गए थे और कहा था कि मैं जब तक जीवित हूं तब तक पेड़ नहीं कटने दूंगा। आप सभी पाठक मेरा मतलब समझ गए होंगे। हम सब प्रत्येक वर्ष पर्यावरण दिवस मनाते हैं और कुछ पेड़– पौधे लगाकर खानापूर्ति कर देते हैं। अब जरा विचार करें कि हम कितने पेड़ लगाते हैं और अगले वर्ष उन पेड़ों में से कितने जीवित बचे हैं और इस 1 वर्ष में हमने कितने पेड़ काट डाले हैं। आप हम सब एक बार पुनः कोविड काल को याद करें और विचार करें कि जो संकल्प हमने कोविड काल में लिया था कि अधिक से अधिक पेड़ लगाएंगे, परंतु कोविड समाप्त होते ही हम सब भूल गए कि हमने कोई संकल्प लिया था। इससे एक चौपाई याद आ रही है जिसे लिखे बिना मैं नहीं रह पा रहा हूं–

दुःख में सुमिरन सब करै, सुख में करे न कोय।

जो सुख में सुमिरन करे, तो दुख काहे को होय ।।

अर्थात मनुष्य यदि अपनी प्रवृत्ति में यह ले आए कि हम अपने संकल्प को हमेशा याद रखेंगे तो किसीको कभी भी कष्ट नहीं होगा। पर्यावरण को केवल पेड़ लगाने से ना जोड़ें। पहले पर्यावरण का मतलब समझे फिर कार्य करें–हमारे चारों तरफ का वह प्राकृतिक आवरण जो हमें सरलता पूर्वक जीवन यापन करने में सहायक होता है पर्यावरण कहलाता है। पर्यावरण ने हमें वायु, जल, खाद्य–पदार्थ, अनुकूल वातावरण उपहार स्वरूप भेंट किए हैं और हमने भी इसका भरपूर इस्तेमाल किया है। पूरे ब्रह्मांड में केवल पृथ्वी पर ही जीवन है इसलिए हमें इसे बचा कर रखना पड़ेगा और अपशिष्ट की मात्रा में कमी करनी पड़ेगी तथा अपशिष्ट पदार्थ को वही फेंकना पड़ेगा जहां उसका स्थान है और यदि हम सब स्वस्थ रहना चाहते हैं और लंबे समय तक जीवित रहना चाहते हैं तो पर्यावरण को बचाना होगा। इसके लिए जो भी कदम सरकार द्वारा या किसी अन्य द्वारा उठाए जाता है उसमें हमें बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना होगा साथ ही ईमानदारी के साथ कार्य करना होगा अन्यथा की स्थिति में हमेशा ईश्वर की तरफ ही आशा लगाए रखेंगे और समय निकल जाने पर पछताते रहेंगे।

डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रधान सम्पादक
पं0 दीनदयाल उपाध्याय स.वि.म.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

प्रान्त के विभिन्न विद्यालयों में हुये वृक्षारोपण की झलकियां

हमारी गतिविधियां

लखनऊ संकुल

मानसिक विकास का मूल मंत्र है संगीत

मानसिक विकास का मूल आधार है संगीत शिक्षा, मन की ताकत को बढ़ाने वाली, मानसिक विकास करने वाली तथा मनोमय कोश को संवार्धित करने वाली शिक्षा का नाम है संगीत शिक्षा। शारीरिक शिक्षा, अन्नमय कोश को विकसित करती है। बालक के शारीरिक विकास में सहयोगी बनती है। तथा समाज में कठिनाईयों से लड़ने में शारीरिक मजबूती प्रदान करती है। विद्या भारती के पांच आधारभूत विषयों से मनुष्य के शरीर के पंचकोशों का विकास होता है। जिसमें योग शिक्षा से प्राणमय कोश मजबूत बनता है। तमाम शारीरिक विकारों से निजात मिलती है। संस्कृत साहित्य ज्ञान का भंडार है। ऋषि मुनियों के हजारों साल के अनुभव और शोधों का समृद्धकोश ज्ञानमय कोश को विकसित करता है। आप सभी प्रधानाचार्यों को संस्कृत के प्रति गौरव का भाव जागाना चाहिए। यह व्याकरण और साहित्य दोनों से परिपूर्ण

है। नैतिक व अध्यात्मिक शिक्षा मनुष्य के आनंदमय कोश को समृद्ध करते हुए संवेदना दायित्वबोध, कर्तव्यबोध का अनूठा संग्रह है। यह बात भारतीय शिक्षा समिति द्वारा आयोजित प्रधानाचार्य सम्मेलन के तीसरे दिन प्रदेश निरीक्षक श्री रामजी सिंह ने कही। श्री रामजी

सिंह ने गौरवशाली स्वतंत्रता के बाद भारतीय समाज के मनोभावों की चर्चा करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में भी क्या हम मानसिक गुलामी के प्रभाव से मुक्त हो पाए। विद्या भारती द्वारा नई शिक्षा नीति के सहयोग व क्रियान्वयन हेतु जो प्रयास किया जा रहा है क्या वह धरातल पर आप सब उतारेंगे। यदि हम नई शिक्षा नीति को लागू नहीं कर पाए तो यह सिर्फ दस्तावेज बनकर रह जाएगा। कान्वेन्ट शिक्षा के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि अनाथ व आश्रयहीन बच्चों के लिए खोले जाने वाले स्कूल को कान्वेन्ट स्कूल कहा गया था। क्या हम अपनी मूल जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। विद्या भारती के कार्यकर्ता आत्मविश्वास से भरे हुए अपने पथ पर अग्रसर है। संस्कार युक्त शिक्षा हमारी विशेषता है। हजारों वर्षों तक की मानसिक गुलामी से हमें आजाद होना पड़ेगा। उन्होंने शिक्षा के मूल कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि समाज में हमारी लोक प्रियता बढ़ रही है। हम अपनी योजना अनुसार राष्ट्रीयता व हिन्दुत्व के लिए कार्य कर रहे है। बच्चों और अभिभावकों से हमारा निरन्तर सम्पर्क बना रहना चाहिए। प्रसन्न बच्चा, प्रसन्न विद्यालय कठोर एवं सख्त प्रशासन तथा स्नेहिल अभिभावक के रूप में प्रधानाचार्य की भूमिका होनी चाहिए। रक्षाबंधन, सामाजिक समरसता व अन्य पर्वों पर समाज के मध्य हमें जाना चाहिए। सामाजिक सरोकारों और व्यवस्थाओं से हमारे भैया बहनों को अवगत कराना चाहिए। हमारी परीक्षा मूल्यांकन तथा नीतियां स्पष्ट व सुचितापूर्ण होनी चाहिए। आचार्य व कर्मचारी सहयोगियों के मध्य यह विश्वास उत्पन्न होना चाहिए कि प्रधानाचार्य विद्यालय के विकास के लिए ही कार्य कर रहे है।

कार्यक्रम संचालन वरिष्ठ प्रधानाचार्य श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रमुख श्री उमाशंकर मिश्र, भारतीय शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री हरेन्द्र श्रीवास्तव, भारतीय शिक्षा समिति के मंत्री महेन्द्र कुमार सिंह, भारतीय शिक्षा समिति के कोषाध्यक्ष आरके कनौजिया, सम्भाग निरीक्षक श्री सुरेश कुमार व अवरीश समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भैया–बहिनों ने परचम लहराया

सी.बी.एस.ई. की बोर्ड परीक्षा में सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज के भैया बहनों ने परचम लहराया। भैया अभिनव जोशी बने टॉपर 95.40% अंको के साथ विद्यालय टॉप किया। लक्ष्य जौहरी ने 12वीं की परीक्षा में 93.40 % अंक लेकर विद्यालय का मान बढ़ाया । भैया लक्ष्य जौहरी ने JEE main में भी 99.2% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

केशव सभागार व विज्ञान प्रयोगशाला का शिलान्यास किया

लखनऊ, सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ में आज विद्यालय भवन के द्वितीय तल पर माननीय प्रांत प्रचारक अवध प्रांत आदरणीय कौशल जी तथा क्षेत्रीय संगठन मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश श्रीमान हेमचन्द्र जी के द्वारा केशव सभागार तथा विज्ञान प्रयोगशाला का शिलान्यास समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रों की ऋचाओं व विधि विधान से हुआ । यज्ञ की आहुतियों और वेद मंत्रों द्वारा यजमान बने प्रांत प्रचारक जी ,क्षेत्रीय संगठन मंत्री जी व अन्य ने कार्यक्रम को संपन्न किया । उसके बाद शिलापट का अनावरण माननीय अतिथियों द्वारा किया गया। आदरणीय अतिथियों द्वारा इस अवसर पर विद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका ज्ञान सुरभि के भौतिक व डिजिटल स्वरूप का भी विमोचन किया गया ।

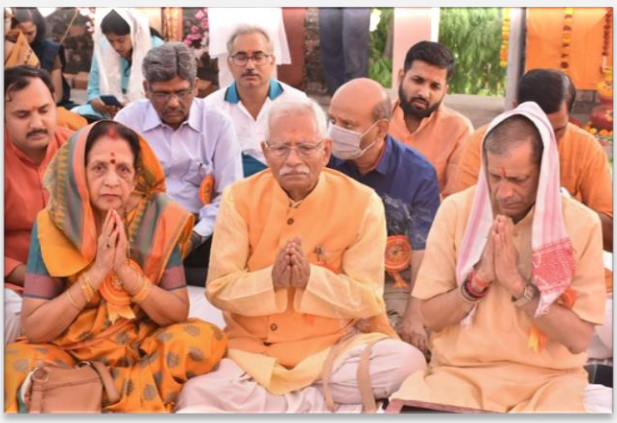

कार्यक्रम में क्षेत्रीय मंत्री जय प्रताप सिंह,डॉक्टर महेंद्र सिंह,के. आर. कनौजिया , विद्यालय के अध्यक्ष श्रीमान आर. के. गर्ग, उपाध्यक्ष डॉक्टर राघवेंद्र सिंह विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर शैलेश मिश्र , कोषाध्यक्ष श्री सचिन गुप्त ,श्री जयकृष्ण सिन्हा ,सुदीप जी ,राजेंद्र बाबू ,डॉक्टर शुचिता चतुर्वेदी ,संग्राम सिंह जी,राजेश शर्मा प्रबंधक ,डॉक्टर मनोज मिश्र ,डॉक्टर विनय मिश्र,उमेश जी, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक तथा अविभावक और आचार्य परिवार उपस्थित हुए। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण क्षेत्रीय प्रचार टीम द्वारा किया गया।

वृक्षारोपण किया गया

लखनऊ– सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इन्दिरा नगर लखनऊ में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोपाल राम जी द्वारा तथा श्रीमान राजेश कुमार (उप प्रधानाचार्य) द्वारा पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाया गया। जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भैया बहनो ने चार्ट,निबन्ध इत्यादि एवं वृक्षारोपण करके और लोगों को जागरुक करके पर्यावरण दिवस में बढ चढ़ कर भाग लिया। पेड़ ,जल,मिट्टी वायु को संरक्षित करने का भी संकल्प लिया ।

अयोध्या संकुल

समर कैम्प का आयोजन किया गया

अयोध्या। विद्या भारती विद्यालय शिव लाल शर्मा सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर तुलसी नगर अयोध्या में 4 दिवसीय समर कैम्प का शुभारम्भ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वशिष्ठ गुरुकुल के प्रबन्धक एवं अखिल भारतीय शिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी माननीय डा. दिलीप कुमार सिंह जी ने माँ सरस्वती जी के सामने दीप प्रज्जवलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। जिसमें प्रशिक्षक के रूप में श्री सारंग घर मिश्र (एम्ब्रियस इन्सीट्यूट ऑफ इंग्लिश स्पोकेन लैंग्वेज टेढ़ी बाजार) श्री नीरज जी (मार्शल आर्ट एकेडमी) गीता जी (योगाचार्य), श्री राम शंकरजी(वैदिक गणित), श्री ओम प्रकाश पाण्डेय जी पूर्व प्रधानाचार्य (गोशाईगंज) आदि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का परिचय श्रीमान प्रधानाचार्य श्री ओम प्रकाश तिवारी जी ने कराया। इस अवसर पर श्रीमती ममता, श्री विनीत कुमार मिश्र,श्रीमती प्रियंका त्रिपाठी, श्री सर्वानन्द ,सुश्री प्रिया, सुश्री सौम्या, श्रीमती शशिबाला, सुश्री नेहा, श्रीमती नेहा, श्री सुधीर कुमार, श्री अर्जुन कुमार आदि सभी शिक्षक व अभिभावकगण उपस्थित रहे।

सीतापुर संकुल

महाराणा प्रताप की जयन्ती मनायी गयी

सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारीटोला बिसवां, सीतापुर के विद्यालय में मां शारदा की वंदना के पश्चात सिसोदिया वंश के महानायक महाराणा प्रताप जी की जयंती का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्रीमान राकेश दीक्षित आचार्य जी रहे । कार्यक्रम का संचालन शिशु भारती प्रमुख आचार्य श्री पुष्पेंद्र तिवारी जी ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामानुज चौरसिया जी द्वारामहाराणा प्रताप के द्वारा किए गए देश हित के कार्यों को स्मरण करते हुए राष्ट्रभक्त एवं देश प्रेमी बने, ऐसा शुभ संदेश सभी भैया बहनों को दिया गया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ किया गया।

छात्र संसद का शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां, सीतापुर के विद्यालय में शिशु भारती, छात्र संसद एवं कन्या भारती का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर के प्रतिष्ठित एवं सम्मानित एडवोकेट श्रीमान अरुण कुमार श्रीवास्तव जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सोनी श्रीवास्तव जी साथ में हमारे विद्यालय के पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष श्रीमान रोहित मिश्र जी रहे। आए हुए सभी अतिथियों का परिचय शिशुभारती प्रमुख आचार्य श्रीमान पुष्पेंद्र जी द्वारा कराया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि जी द्वारा भैया/ बहनों को अनुशासन में रहते हुए अपने से बड़ों का सम्मान करनाएवं समय से सभी काम पूर्ण करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामानुज चौरसिया जी द्वारा सभी भैया बहनों को शिशु भारती क्या है ? एवं उसका उद्देश्य क्याहै? इस पर विस्तार से चयनित भैया बहनों को बताया गया । प्रधानाचार्य जी द्वाराआए हुए सभी अतिथि महानुभावों का आभार ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ संपन्न हुआ।

लखीमपुर संकुल

अधिकारियों का प्रवास हुआ

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लखीमपुर खीरी में प्रदेश निरीक्षक विद्या भारती अवध प्रांत श्रीमान राम जी सिंह जी व संभाग निरीक्षक सीतापुर संभाग श्रीमान सुरेश सिंह जी का एक दिवसीय प्रवास पर आना हुआ। सर्वप्रथम माननीय प्रदेश निरीक्षक जी ने दोनों विद्यालयों की प्रबंध समिति के साथ बैठक की जिसमे प्रमुख रूप से अध्यक्ष श्रीमान सतीश कौशल बाजपेई जी, उपाध्यक्ष श्रीमान घनश्यामदास तोलानी जी, प्रबंधक सीबीएसई बोर्ड श्रीमान रवि भूषण साहनी, प्रबंधक यू पी बोर्ड श्रीमान विमल अग्रवाल जी, व दोनो विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अरविन्द सिंह चौहान जी व डॉ योगेंद्र सिंह जी उपस्थित रहे। उसके पश्चात उन्होंने विद्या भारती द्वारा संचालित लखीमपुर खीरी के सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक का शुभारम्भ द्वीप

प्रज्ज्वलन व माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। अन्त में प्रदेश निरीक्षक जी ने विद्या भारती द्वारा संचालित लखीमपुर खीरी के सभी विद्यालयों के समस्त आचार्यों व आचार्या बहनों के साथ बैठक की व सभी को वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका को बताया। मा. प्रदेश निरीक्षक जी ने विज्ञान विषय को रुचिकर बनाने पर जोर दिया तथा भैया, बहनो व आचार्यों को नवीन पत्रिकाओं को पढ़ने व पढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान रवि भूषण साहनी जी ने आये हुए समस्त अतिथियों व आचार्य परिवार का आभार प्रकट किया।

मातृ दिवस मनाया गया

अस्तल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मोहम्मदी खीरी में मदर्स डे के अवसर पर मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मातृभारती की अध्यक्ष श्रीमती पूनम रस्तोगी तथा उपाध्यक्ष श्रीमती निधि शुक्ला तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री पवन कुमार जी वर्मा जी ने सरस्वती वंदना के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ कराया जिसमें अरुण उदय प्रभात के भैया बहनों ने अनेकों कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा कुछ भैया बहनों ने अपनी माताओं के साथ फूड चार्ट की कार्यशाला का आयोजन किया भैया बहनों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम में भाग लिया इस अवसर पर शिशु वाटिका प्रमुख आचार्य सिमरन व संचालिका गीतांजलि जी सहित विद्यालय की समस्त आचार्य बहने तथा आचार्य बंधु उपस्थित रहे।

प्रथम मासिक परीक्षा की कापियां दिखायी व अभिभावक गोष्ठी सम्पन्न

विद्या भारती विद्यालय पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू.पी. बोर्ड), लखीमपुर खीरी में आज प्रथम मासिक परीक्षा उत्तर पुस्तिका अवलोकन व अभिभावक गोष्ठी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ योगेंद्र प्रताप सिंह जी ने बताया कि यदि अभिभावक और आचार्य जी एक साथ मिलकर किसी बच्चे को अच्छा बनाना चाहें तो दुनिया की कोई ऐसी ताकत नहीं है जो बच्चे को अच्छा बनने से रोक सके। किसी बच्चे को आगे बढ़ने के लिए सबसे जरूरी अनुशासन होता है। अनुशासन में भी सबसे महत्वपूर्ण और पहला बिन्दु है समय पालन। यदि कोई बच्चा अपनी दिनचर्या को समय सारणीबद्व कर ले और उसका पालन ईमानदारी से करता है तो उसकी सफलता में कभी प्रश्न चिन्ह नहीं लगेगा। दूसरा महत्वपूर्ण बिन्दु है अपने कार्य का पुनरावलोकन या कार्य की समीक्षा। यदि बच्चा कभी असफल होता है तो उसकी समीक्षा करके पुनः उसमें हुयी कमियों को दूर करते हुए सफलता प्राप्त कर सकता है। मौसम खराब होने के उपरान्त भी कार्यक्रम में अधिक से अधिक अभिभावक उपस्थित रहे और प्रधानाचार्य जी की बातों को ध्यान से सुनते हुए सहयोग देने का आश्वासन दिया। कॉपियां देखने के बाद सभी अभिभावक संतुष्ट थे। अभिभावकों नें जो सुझाव दिए उन्हें प्रधानाचार्य जी नें अपने पास नोट कर लिया।

Artificial Intelligence कृत्रिम बुद्धिमता

मानव के किये गये अविष्कारों में से कम्प्यूटर एक ऐसा अविष्कार है जिसने मानव के सोचने व समझने की दिशा व दशा दोनो को बदलकर रख दिया है। वर्तमान समय में ऐसा कोई कार्य नहीं है जो कम्प्यूटर के माध्यम से न हो सके। आज कम्प्यूटर हमारी आवश्यकता नही हमारे जीवन का एक अंग बन गया है। सोचिए आप बिस्तर पर लेटे है आपको वालीबुड के नये गाने अपने मोबाइल पर सुनना है आप कहते हैं **Play a new song** और नये गाने चालू हो जाते हैं, यह चमत्कार होता है कम्प्यूटर की **Artificial Intelligence** अर्थात कृत्रिम बुद्धिमता से जिसे हम संक्षेप में **AI** कहते हैं। आज टेक्नोलॉजी से वह कार्य हो रहे हैं जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। **Artificial Intelligence** अर्थात कृत्रिम बुद्धिमता को सरल शब्दों में समझे तो मानव के कार्यों को पूरा करने के लिए जब कोई मशीन सहायता करती है तो इसे **Artificial Intelligence** अर्थात कृत्रिम बुद्धिमता कहते हैं। यह तकनीकि मानव के मस्तिष्क के तरह ही किसी समस्या के समाधान को हल करती है। वर्तमान में **Amazon Echo, Google Ask, Ok google, Google Assistant, Google Map** व **Seri** आदि **AI** के स्मार्टफोन में प्रयोग होने उदाहरण हैं। वर्तमान में अनेक कारों में भी **AI** का प्रयोग होता है। TESIA के द्वारा कार में सेल्फ ड्राइविंग की क्षमता विकसित की गयी। **AI** के जनक जान मैकार्थी थे। सन् 1956 में जान मैकार्थी ने पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शब्द का प्रयोग किया और पहला **The Dartmouth Summer Research Project on Artificial Intelligence** सम्मेलन आयोजित किया। **Artificial intelligence** के क्षेत्र में पहली सफलता तब मिली जब 1957 में Newell और Simon द्वारा एक जनरल प्राब्लम सॉल्बर (G.P.S) नामक नावेल प्रोग्राम बनाया गया। सन् 1997 में सुपरकम्प्यूटर डीप ब्लू का डिजायन तैयार किया गया जिसने विश्व चैम्पियन शतरंज खिलाड़ी को एक मैच में हरा दिया। **AI** का क्षेत्र बहुत अधिक व्यापक है। इस तकनीकि ने चिकित्सा उपकरण, डायग्नोसिस रिसर्च आदि में क्रान्ति ला दी है। बैंकिंग क्षेत्र में भी **AI** का प्रयोग बहुत तेजी से बढ़ा है। लगभग प्रत्येक बैंक अपने उपयोगकर्ता को आनलाइन ऐप्प प्रदान कर रहा है। वह सभी ऐप्प **AI** तकनीकि पर आधारित होते हैं। मास्टरकार्ड और आर बी एस वर्ल्ड पे जैसी कम्पनियां समान रूप पर **AI** तकनीकि पर भरोसा करती हैं। कृषि के क्षेत्र में **AI** पर आधारित ब्लू रिवर टेक्नोलॉजी एक बेहतरीन उदाहरण है जिसने अनेक स्वचालित मशीने बनायी हैं जो कृषि के क्षेत्र में बहुत उपयोगी हैं। प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी भी **AI** तकनीकि पर अत्याधिक जोर दे रहे हैं। आने वाला समय कम्प्यूटर की **AI** तकनीकि का है।

इन्द्रेश कुमार शर्मा
पं0दी0द0उ0स0वि0म0इ0का0
लखीमपुर–खीरी

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में समूचा विश्व वृक्षारोपण कर या उनका संरक्षण कर उत्सव के रूप में माना रहा है । विद्या भारती विद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज(यू0पी0बोर्ड), लखीमपुर में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर योगेंद्र प्रताप सिंह व आचार्य श्री सर्वेंद्र कुमार अवस्थी ने मिलकर वृक्षारोपण किया व पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लिया । इस मौके पर विद्यालय प्रांगण में लगभग 25 आम व तुलसी के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टॉफ ने एक–एक तुलसी का पौधा अपने घरों पर लगाने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यालय स्टॉफ व समस्त कर्मचारी भैया उपस्थित रहे।

हरदोई संकुल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

सरस्वती विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई के कार्यालय प्रमुख श्री विश्वजीत, श्री पुत्तनलाल जी व आचार्य श्री ललित मोहन ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण किया।

रायबरेली संकुल

विज्ञान प्रौद्योगिकी व जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

बरातीलाल गंगाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लालगंज रायबरेली में आज विज्ञान और प्रोद्योगिकी जागरूकता कार्यक्रम प्रधानाचार्य श्री सत्येंद्र कुमार शुक्ल जी व बाल कल्याण समिति के कोषाध्यक्ष श्री कौशलेंद्र कंचन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।

परीक्षा परिणाम पर बधाई दी

गोपाल सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज रायबरेली में बोर्ड का परीक्षा परिणाम आने के बाद विद्यालय के प्रबन्धक श्री विमल तलरेजा व कोषाध्यक्ष श्री दिनेश श्रीवास्तव जी ने सभी छात्रों को आशीर्वाद व शुभकामनाएं व बधाई प्रदान की। सम्पूर्ण आचार्य परिवार ने सभी को हार्दिक बधाई दी।

उन्नाव संकुल

प्रमाणपत्र वितरित किये गये

शुक्लागंज, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज गोपीनाथ पुरम में 18 मई से शुरू हुए समर कैंप का आज अन्तिम दिन था जिसमे उन्नाव जिले के जिला विद्यालय निरीक्षक श्री रविशंकर जी ने अपने कर कमलों से समर कैंप के प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए । कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमान जिला विद्यालय निरीक्षक जी ने माँ सरस्वती जी के चरणों मे पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्ज्वलित करके किया उनके साथ मे आये राजकीय इण्टर कॉलेज इनायतपुर बर्रा के प्रधानाचार्य श्री परमात्माशरण जी ने भी माँ वीणापाणि के चरणों मे पुष्प अर्पित किए । विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री शिव सिंह जी ने सभी अभ्यागत अतिथियों का औपचारिक परिचय कराया । विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी ने जिला विद्यालय निरीक्षक जी को अंगवस्त्र पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया । श्रीमान परमात्माशरण जी को विद्यालय के आचार्य श्री शिव सिंह जी ने अंगवस्त्र व श्री रविशंकर श्रीवास्तव जी ने स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया । अटल टिंकरिंग लैब के विभागाध्यक्ष श्री राहुल पाण्डेय जी ने समर कैम्प के आयोजन का उद्देश्य व प्रशिक्षुओं द्वारा किये गए शोध कार्यों का अवलोकन कराया ।उन्होंने बताया कि प्रशिक्षुओं ने कोडिंग, रोबोटिक्स व गेमिंग के बारे में नई नई जानकारियां हासिल की हैं । जिला विद्यालय निरीक्षक जी ने सभी मॉडलों व बनाये गए उपकरणों का निरीक्षण किया व बच्चों के कार्यों की खूब सराहना की । उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों को सीखने का अवसर प्राप्त होता है मैं विद्यालय के आयोजन कर्ताओं को इस कार्य के लिए बधाई देता हूँ व बच्चों को आशीर्वाद की वे आगे भी अपना शोध इसी प्रकार चालू रखें । अन्त में विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी ने सभी अभ्यागत अतिथियों का आभार व्यक्त किया व जिला विद्यालय निरीक्षक जी से इसी प्रकार भविष्य में सहयोग करने की अपील भी की ।जिस पर माननीय जिला विद्यालय निरीक्षक जी ने पूर्ण आश्वासन दिया ।इस मौके पर विद्यालय के स्टाफ के अलावा बच्चों के मार्ग दर्शक के रूप में शोभित, श्रेयष, अभिषेक दुबे , अभिषेक शुक्ल भी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रविशंकर श्रीवास्तव जी ने किया ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम मनाया गया

विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में समूचा विश्व वृक्षारोपण कर या उनका संरक्षण कर उत्सव के रूप में माना रहा है, उसी कड़ी में सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज शुक्लागंज उन्नाव में भी NCC के कैडेट्स ने व विद्यालय के अन्य बच्चों ने आचार्यो के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया व पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लिया । इस मौके पर विद्यालय प्रांगण में लगभग 50 पौधे व पेड़ लगाए गए। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री शिव सिंह जी ने अपने साथ श्री बीरेश जी ,श्री रामकुमार वर्मा जी व से शशिकांत जी के साथ वृक्ष रोपण में सहयोग किया । कार्यक्रम के प्रमुख श्री बीरेश जी ने पर्यावरण पर बच्चों का मार्गदर्शन किया वहीं से शिव सिंह जी ने पर्यावरण की आवश्यकता व उसके महत्व पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का समापन NCC के कैडेट्स के जागरूकता रूट मार्च के साथ हुआ ।

बाराबंकी संकुल

बुध पूर्णिमा का कार्यक्रम मनाया गया

सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तहसील फतेहपुर बाराबंकी में वंदना सत्र में भैया बहनों के समक्ष बुद्ध पूर्णिमा मनाई गई इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री विरेंद्र कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की प्रास्ताविकी प्रस्तुत की। प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने महात्मा गौतम बुद्ध के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके चारित्रिक जीवन से भैया बहनों को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने बताया। इस अवसर पर विद्यालय के वंदना प्रमुख प्रदीप कश्यप भी उपस्थित रहे।

अम्बेडकर नगर संकुल

विद्यालय का परीक्षाफल शतप्रतिशत रहा

विवेकानंद शिशु कुंज सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनटीपीसी टांडा अंबेडकर नगर का सीबीएसई कक्षा 12 का परीक्षा फल घोषित हुआ जिसमें विज्ञान वर्ग में बहन सृष्टि पांडेय एवं भैया अनमोल तिवारी (93.2%) प्रथम स्थान प्राप्त किया मोहम्मद यूसुफ बेग (89.2%) द्वितीय स्थान तथा भैया मोहम्मद अहमद (82.2%) तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य वर्ग में भैया विपिन वर्मा (77.4%) प्रथम स्थान भैया तिवारी नितेश (73.2%) द्वितीय स्थान तथा बहन सृष्टि शुक्ला एवं भैया आकाश ने (69.6%) तृतीय स्थान प्राप्त किया है विद्यालय का परीक्षाफल 100: रहा। विद्यालय में विज्ञान वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग में कुल 101 छात्र–छात्राएं सम्मिलित थे। जिसमें सभी छात्र छात्राएं उत्तीर्ण हुए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान काली प्रसाद मिश्र जी ने विद्यालय का परीक्षाफल शत–प्रतिशत रहने पर सभी छात्र–छात्राओं, अभिभावकों एवं आचार्यों को बधाई दी।

पर्यावरण दिवस वृक्षारोपण कर मनाया गया

शिशु विद्या भारती विद्यालय जय बजरंग इंटरमीडिएट कॉलेज रामनगर अंबेडकर नगर में आज 5 जून को प्रातः विश्व पर्यावरण दिवस वृक्षारोपण कर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यावरण पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह जी ने कहा कि पर्यावरण सुधारने हेतु यह दिवस महत्वपूर्ण है, जिसमें पूरा विश्व रास्ते में खड़ी चुनौतियों को हल करने का रास्ता निकालता है ।लोगों में पर्यावरण जागरूकता को जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा संचालित विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक आयोजन है। इसका मुख्य उद्देश्य हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाना और प्रतिदिन बढ़ रहे विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को देखना है। इस दिवस की महत्ता को देखते हुए विद्यालय में चल रहे समर कैंप के भैया बहनों ने भी उपरोक्त कार्यक्रम में बड़े ही उल्लास के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य व विद्यालय के कुछ भैया बहनों के साथ–साथ उप प्रधानाचार्य हरी राम यादव जी कार्यालय प्रमुख प्रभाकर मिश्र जी आचार्य जगदीश जी व रिफेस इन्स्टीट्यूट के डाइरेक्टर राजेश पान्डेय जी उपिस्थत रहे।

बहराइच संकुल

कर्मचारियों को वेश वितरण करते अधिकारी बन्धु

भैया/बहिनों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज माधवपुरी बहराइच में माननीय प्रदेश निरीक्षक श्री रामजीसिंह एव संभाग निरीक्षक श्री सुरेश सिंह का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद भैया–बहिनों को प्राप्त हुआ।

खेलो इण्डिया कार्यक्रम में प्रतिभाग

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज माधवपुरी बहराइच के भैया–बहिनों को खेलो इण्डिया खेलो अभियान में मा0 जिलाधिकारी श्री दिनेशचन्द्र एवं जिला विद्यालय निरीक्षक श्री जयप्रताप सिंह की उपस्थिति में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

बलरामपुर संकुल

पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया

सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कालेज बलरामपुर परिसर मे विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति सदस्य व आर एस एस के जिला संघचालक श्री सौम्य अग्रवाल जी मुख्य अतिथि, नव निर्वाचित सभासद एवं विद्यालय के पूर्व छात्र श्री मनोज साहू विशिष्ट अतिथि, आनंद किशोर गुप्ता सभासद, पूर्व छात्र सुनील कसेरा, अभय कसेरा, सहित विद्यालय की छात्रों ने विद्यालय परिसर में पौध रोपण किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम तीरथ यादव जी ने विश्व पर्यावरण की महत्ता को बताते हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी क्रम मे विद्यालय के प्रबंधक डॉ सतीश सिंह जी ने भी आये हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विद्यालय के आचार्य श्री राज कुमार जी , कर्मचारी श्री काली प्रसाद जी मौजूद रहे।

गोण्डा संकुल

आचार्य जीने की कला सिखाते हैं

विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री यतींद शर्मा जी ने कहा कि आचार्य जीवन जीने की कला सिखाते हैं इसलिए विद्या भारती ने शिक्षक नहीं वरन् आचार्य शब्द चुना है। आचार्य का जीवन पारदर्शी होना चाहिए, वे सरस्वती शिशु मंदिर मालवीय नगर में नवचयनित आचार्य के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण वर्ग में अवध प्रांत के विद्यालयों से नव चयनित 61 आचार्य जी व 62 आचार्या बहिने सम्मिलित हैं। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन सत्र मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन से प्रारम्भ हुआ। अवध प्रांत के प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह जी ने कहा कि आचार्य को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य करना चाहिए उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य विद्यालय में छात्रों का विकास, बौद्धिक क्षमता का विकास व शिक्षण कौशल का विकास करना है। प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस में विभिन्न सत्रों में कक्षा प्रबंधन, संस्कृति एवं वातावरण विषय पर क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रमुख श्री उमाशंकर मिश्र जी ने प्रकाश डाला। आचार्य दैनंदिनी का प्रयोग, शिक्षण योजना निर्माण विषय पर संम्भाग निरीक्षक श्री सुरेश कुंमार सिंह जी ने प्रकाश डाला। संभाग निरीक्षक श्री अवरीश कुमार ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना लखीमपुर के प्रधानाचार्य श्री मुनेंद्रदत्त शुक्ला जी ने किया।

प्रेरक बोध कथा

मैं एक घर के करीब से गुज़र रहा था की अचानक से मुझे उस घर के अंदर से एक बच्चे की रोने की आवाज़ आई। उस बच्चे की आवाज़ में इतना दर्द था कि अंदर जा कर वह बच्चा क्यों रो रहा है, यह मालूम करने से मैं खुद को रोक ना सका। अंदर जा कर मैने देखा कि एक माँ अपने दस साल के बेटे को आहिस्ता से मारती और बच्चे के साथ खुद भी रोने लगती। मैने आगे हो कर पूछा बहनजी आप इस छोटे से बच्चे को क्यों मार रही हो? जब कि आप खुद भी रोती हो। उस ने जवाब दिया भाई साहब इस के पिताजी भगवान को प्यारे हो गए हैं और हम लोग बहुत ही गरीब हैं, उन के जाने के बाद मैं लोगों के घरों में काम करके घर और इस की पढ़ाई का खर्च बामुश्किल उठाती हूँ और यह कमबख्त स्कूल रोज़ाना देर से जाता है और रोज़ाना घर देर से आता है। जाते हुए रास्ते मे कहीं खेल कूद में लग जाता है और पढ़ाई की तरफ ज़रा भी ध्यान नहीं देता है जिस की वजह से रोज़ाना अपनी स्कूल की वर्दी गन्दी कर लेता है। मैने बच्चे और उसकी माँ को जैसे तैसे थोड़ा समझाया और चल दिया। इस घटना को कुछ दिन ही बीते थे की एक दिन सुबह सुबह कुछ काम से मैं सब्जी मंडी गया। तो अचानक मेरी नज़र उसी दस साल के बच्चे पर पड़ी जो रोज़ाना घर से मार खाता था। मैं क्या देखता हूँ कि वह बच्चा मंडी में घूम रहा है और जो दुकानदार अपनी दुकानों के लिए सब्ज़ी खरीद कर अपनी बोरियों में डालते तो उन से कोई सब्ज़ी ज़मीन पर गिर जाती थी वह बच्चा उसे फौरन उठा कर अपनी झोली में डाल लेता। मैं यह नज़ारा देख कर परेशानी में सोच रहा था कि ये चक्कर क्या है, मैं उस बच्चे का चोरी चोरी पीछा करने लगा। जब उस की झोली सब्ज़ी से भर गई तो वह सड़क के किनारे बैठ कर उसे ऊंची ऊंची आवाज़ें लगा कर वह सब्जी बेचने लगा। मुंह पर मिट्टी गन्दी वर्दी और आंखों में नमी, ऐसा महसूस हो रहा था कि ऐसा दुकानदार ज़िन्दगी में पहली बार देख रहा हूँ । अचानक एक आदमी अपनी दुकान से उठा जिस की दुकान के सामने उस बच्चे ने अपनी नन्ही सी दुकान लगाई थी, उसने आते ही एक जोरदार लात मार कर उस नन्ही दुकान को एक ही झटके में रोड पर बिखेर दिया और बाजुओं से पकड़ कर उस बच्चे को भी उठा कर धक्का दे दिया। वह बच्चा आंखों में आंसू लिए चुप चाप दोबारा अपनी सब्ज़ी को इकठ्ठा करने लगा और थोड़ी देर बाद अपनी सब्ज़ी एक दूसरे दुकान के सामने डरते डरते लगा ली। भला हो उस शख्स का जिस की दुकान के सामने इस बार उसने अपनी नन्ही दुकान लगाई उस शख्स ने बच्चे को कुछ नहीं कहा। थोड़ी सी सब्ज़ी थी ऊपर से बाकी दुकानों से कम कीमत। जल्द ही बिक्री हो गयी, और वह बच्चा उठा और बाज़ार में एक कपड़े वाली दुकान में दाखिल हुआ और दुकानदार को वह पैसे देकर दुकान में पड़ा अपना स्कूल बैग उठाया और बिना कुछ कहे वापस स्कूल की और चल पड़ा। और मैं भी उस के पीछे पीछे चल रहा था। बच्चे ने रास्ते में अपना मुंह धो कर स्कूल चल दिया। मै भी उस के पीछे स्कूल चला गया। जब वह बच्चा स्कूल गया तो एक घंटा लेट हो चुका था। जिस पर उस के टीचर ने डंडे से उसे खूब मारा। मैने जल्दी से जा कर टीचर को मना किया कि मासूम बच्चा है इसे मत मारो। टीचर कहने लगे कि यह रोज़ाना एक डेढ़ घण्टे लेट से ही आता है और मै रोज़ाना इसे सज़ा देता हूँ कि डर से स्कूल वक़्त पर आए और कई बार मै इस के घर पर भी खबर दे चुका हूँ।

खैर बच्चा मार खाने के बाद क्लास में बैठ कर पढ़ने लगा। मैने उसके टीचर का मोबाइल नम्बर लिया और घर की तरफ चल दिया। घर पहुंच कर एहसास हुआ कि जिस काम के लिए सब्ज़ी मंडी गया था वह तो भूल ही गया। मासूम बच्चे ने घर आ कर माँ से एक बार फिर मार खाई। सारी रात मेरा सर चकराता रहा।सुबह उठकर फौरन बच्चे के टीचर को कॉल की कि मंडी टाइम हर हालत में मंडी पहुंचें। और वो मान गए। सूरज निकला और बच्चे का स्कूल जाने का वक़्त हुआ और बच्चा घर से सीधा मंडी अपनी नन्ही दुकान का इंतेज़ाम करने निकला। मैने उसके घर जाकर उसकी माँ को कहा कि बहनजी आप मेरे साथ चलो मै आपको बताता हूँ, आप का बेटा स्कूल क्यों देर से जाता है। वह फौरन मेरे साथ मुंह में यह कहते हुए चल पड़ीं कि आज इस लड़के की मेरे हाथों खैर नही। छोडूंगी नहीं उसे आज। मंडी में लड़के का टीचर भी आ चुका था। हम तीनों ने मंडी की तीन जगहों पर पोजीशन संभाल ली, और उस लड़के को छुप कर देखने लगे। आज भी उसे काफी लोगों से डांट फटकार और धक्के खाने पड़े, और आखिरकार वह लड़का अपनी सब्ज़ी बेच कर कपड़े वाली दुकान पर चल दिया। अचानक मेरी नज़र उसकी माँ पर पड़ी तो क्या देखता हूँ कि वह बहुत ही दर्द भरी सिसकियां लेकर लगा तार रो रही थी, और मैने फौरन उस के टीचर की तरफ देखा तो बहुत शिद्दत से उसके आंसू बह रहे थे। दोनो के रोने में मुझे ऐसा लग रहा था जैसे उन्हों ने किसी मासूम पर बहुत जुल्म किया हो और आज उन को अपनी गलती का एहसास हो रहा हो। उसकी माँ रोते रोते घर चली गयी और टीचर भी सिसकियां लेते हुए स्कूल चला गया। बच्चे ने दुकानदार को पैसे दिए और आज उसको दुकानदार ने एक लेडी सूट देते हुए कहा कि बेटा आज सूट के सारे पैसे पूरे हो गए हैं। अपना सूट ले लो, बच्चे ने उस सूट को पकड़ कर स्कूल बैग में रखा और स्कूल चला गया। आज भी वह एक घंटा देर से था, वह सीधा टीचर के पास गया और बैग डेस्क पर रख कर मार खाने के लिए अपनी पोजीशन संभाल ली और हाथ आगे बढ़ा दिए कि टीचर डंडे से उसे मार ले। टीचर कुर्सी से उठा और फौरन बच्चे को गले लगा कर इस क़दर ज़ोर से रोया कि मैं भी देख कर अपने आंसुओं पर क़ाबू ना रख सका। मैने अपने आप को संभाला और आगे बढ़कर टीचर को चुप कराया और बच्चे से पूछा कि यह जो बैग में सूट है वह किस के लिए है। बच्चे ने रोते हुए जवाब दिया कि मेरी माँ अमीर लोगों के घरों में मजदूरी करने जाती है और उसके कपड़े फटे हुए होते हैं कोई जिस्म को पूरी तरह से ढांपने वाला सूट नहीं और और मेरी माँ के पास पैसे नही हैं इस लिये अपने माँ के लिए यह सूट खरीदा है। तो यह सूट अब घर ले जाकर माँ को आज दोगे? मैने बच्चे से सवाल पूछा। जवाब ने मेरे और उस बच्चे के टीचर के पैरों के नीचे से ज़मीन ही निकाल दी। बच्चे ने जवाब दिया नहीं अंकल छुट्टी के बाद मैं इसे दर्जी को सिलाई के लिए दे दूँगा। रोज़ाना स्कूल से जाने के बाद काम करके थोड़े थोड़े पैसे सिलाई के लिए दर्जी के पास जमा किये हैं

वीरेन्द्र विक्रम सिंह

नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग की कुछ झलकियां

अति महत्वपूर्ण तिथियां

- **माह जून–**

20	आषाढ़ शुक्ल द्वितीया	मंगलवार	आचार्य आगमन व योगाभ्यास
21	आषाढ़ शुक्ल तृतीया	बुधवार	विश्व योग दिवस (कार्यक्रम)
23 से 27	आषाढ़ शुक्ल पंचमी से आषाढ़ शुक्ल नवमी तक	शुक्र से मंगल तक	क्षेत्रीय प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला विद्यालय स्तरीय विषयशः त्रिदिवसीय प्रशिक्षण वर्ग

- **माह जुलाई–**

	प्रथम सप्ताह		ग्रीष्मावकाश गृहकार्य मूल्यांकन
	द्वितीय सप्ताह		विद्या भारती लक्ष्य–स्पष्ट संकल्पना (कक्षाशः चर्चा)
3	आषाढ़ पूर्णिमा	सोमवार	श्री गुरू पूर्णिमा उत्सव (कार्यक्रम)
22	अ. श्रावण शुक्ल चतुर्थी	शनिवार	बाल गंगाधर तिलक जयन्ती (कार्यक्रम)
	तृतीय सप्ताह		पूर्व छात्र परिषद गठन
26	अ. श्रावण शुक्ल अष्टमी	बुधवार	कारगिल विजय दिवस (कार्यक्रम)
	अन्तिम सप्ताह		प्रथम स्वास्थ्य परीक्षण एवं शारीरिक क्षमता मापन
28	अ. श्रावण शुक्ल दशमी	शुक्रवार	विद्यालय स्तरीय दक्षता वर्ग

माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0, प्रयागराज के अनुसार वर्णनात्मक मासिक परीक्षा जुलाई माह में सम्पन्न होगी।